1602

I Year Arts Examination, 2017

RAJASTHANI SAHITYA

Paper–II

(आधुनिक राजस्थानी काव्य)

Time : Three Hours
Maximum Marks : 100

PART - A (खण्ड-अ) [Marks : 20

Answer all questions (50 words each).
All questions carry equal marks.
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर पचास शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART - B (खण्ड-ब) [Marks : 50

Answer *five* questions (250 words each).
Selecting *one* from each unit. All questions carry equal marks.
प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए।
प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART - C (खण्ड-स) [Marks : 30

Answer any *two* questions (300 words each).
All questions carry equal marks.
कोई दो प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-अ

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

इकाई-I

(क) 'जननायक प्रताप' काव्य में यौवन का स्वामी किसे माना है?

(ख) कवि की दृष्टि में भामाशाह ने किन तीन धर्मों को उज्ज्वल किया?

इकाई-II

(ग) 'बहना ज्यूँ सँग-सँग लड़ी, गीता और कुराण' का आशय स्पष्ट कीजिए।

(घ) कवि ने 'कळायण' को दाता क्यों कहा है?

इकाई-III

(ङ) 'आंगळियारी रेख' किसकी प्रतीक्षा में घिसती जा रही है?

(च) 'कळायण' काव्य के अन्तर्गत कविताओं के शीर्षकों का नामोल्लेख कीजिए।

इकाई-IV

(छ) 'उस्ताद' का पूरा नाम लिखिए।

(ज) खेतदान चारण किस विचारधारा के कवि है?

इकाई-V

(झ) 'राजस्थान के कवि' काव्य संग्रह के सम्पादक का नाम लिखो।

(ञ) 'बादळी' काव्य के रचयिता का नाम लिखो।

खण्ड-ब

इकाई-I

2. जननायक प्रताप की चारित्रिक विशेषताओं का अंकन कीजिए।

3. 'जननायक प्रताप' काव्य के काव्य-सौष्ठव पर प्रकाश डालिए।

इकाई-II

4. 'कळायण' के अलंकारिक सौन्दर्य को उदाहरण सहित समझाइये।

5. 'कळायण' की अनुपस्थिति में प्रकृति का जो चित्र 'ऊमस-ओग' में प्रस्तुत किया गया है, अपने शब्दों में लिखिये।

इकाई-III

6. नारायण सिंह भाटी की कविताओं का सार अपने शब्दों में लिखो।

7. चन्द्र सिंह 'बिरकाली' की कविताओं का भाव अपने शब्दों में लिखिए।

इकाई-IV

8. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

शेषनाग सिर सहस पै, धर धारी खुद आप।

इक माला री नौंक पै, थैं ढाबी परताप।।

गढ कपाट भाला घणा, इक हाथी भड़केह।

इक भालो भड़ हाथ में, लाख हिया धड़केह।।

9. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

सोलंकणी सुत झेलियो, राखण वंश समाज।

उण माँ दूध उजाळवा, थैं सिरफेंक्यो आज।।

सुरग समाई आतमा, रगत गियो पाताळ।

शिर तिलतिल धड़ पड़ करां, गह धर रियो समान।।

इकाई-V

10. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

धड़लां पाणी ऊकलै, चिडयां धूड़ में न्हात।

वरसा नेड़ी आ रयी आज तथा परभात।।

'तीतर पंखी तण रही', जग जागै करतूत।।

सिंइया पैलां आवसी, सांचो करण सबूत।।

11. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

जीवण नै सह तरसिया, बंजड़ जंखड़ बाढ़।

बरसै भोळी बादळी! आयो आज असाढ़।।

नहीं नदी नाळा अठै, नहिं सरवर सरसाय।

एक आसरो बादळी! मरु सूकी मत आय।।

खण्ड-स

इकाई-I

12. '' 'जननायक प्रताप' काव्य में प्रताप चरित्र के साथ-साथ कवि ने राजस्थानी वीर संस्कृति को भी चित्रित किया है।'' क्या आप इस कथन से सहमत हैं? स्पष्ट कीजिए।

इकाई-II

13. राजस्थानी प्रकृति की विशिष्ट रचना के रूप में 'कळायण' का मूल्यांकन कीजिए।

इकाई-III

14. मेघराज 'मुकुल' की कविताओं के भाव पक्ष को उदाहरण सहित लिखिए।

इकाई-IV

15. आधुनिक राजस्थानी के प्रगतिशील काव्य पर एक लेख लिखिए।

इकाई-V

16. आधुनिक राजस्थानी के प्रकृति काव्य की विशेषताएँ बताइए।